अपनों के पत्र

अभ्यासमाला

1. ननलिख प्रोश्नो के उत्तर दो :

(क) गौतम और गीताचलि कहा खेल रह थे ?

उतर : गौतम और गीतांजलि ऑमन खल रहे थे।

(ख) गौतम और गीतांजलि के पिता को चिट्टी भेजने में देर क्यों हुई थी ?

उत्तर : गौतम।

(ग) भलकपुंग किसने राजधानी बनवाई थी ?

उत्तर : भलुकपुंग मे राजा बाण ने रजधनी बनवाई थी।

(घ) गौतम और गीतांजलि के पिता कौन-सी नौकरी करते थे और उनक तबादला किस जगह पर हुआ था ?

उत्तर : गौतम और गीतांजलि के पिता भारतीय स्थल सेना में नौकरी करते थे और उनका तबादला अरुणाचल प्रदेश मे हुआ था।

2. संक्षेप उतर दो :

(क) अरुणाचल के पाँच दर्शनीय स्थलों के नाम लिखो।

उत्तर : अरुणाचल के पाँच दर्शनीय स्थल है- तावाङ, बोमडिला, टिपि, इटानगर और जरो ।

(ख) टिपि की विशेषत क्या है ?

उत्तर : टिप की विशेषत यह है कि -इस इलाका आकिडीं से भ ।

(ग) अरुणाचल की संपर्क भाषा और कार्यालयीन भाषा क्या क्या है ?

उत्तर : अरुणाचल की संपर्क भाषा हिंदी है और कार्यालयीन भाषा अंग्रेजी है।

(घ) तावाङ शहर के बोद्ध मंदिर के बारे में संक्षिप्त जानकारी दो।

उत्तर : तावाङ शहर का बौद्ध मंदिर करीब ४०० साल पुराना है। उस मंदिर में दिसंबर जनवरी महीने में बड़ा उत्सव होता है। देश विदेश के पर्यटक यहां आकर जमा होते हैं।

3. पारिवारिक पत्र में कौन से अंग चाहिए पाठ के आधार पर एक रुपरेखा बनाकर लिखों।

उत्तर : पारिवारिक पत्र में सबसे पहले 'संबोधन' होना चाहिए / जौसे बड़ी के लिए आदरणीय / पूज्य / सन्मानीय / छोटे के लिए प्रिय, प्यारा, मेरे / इसके बाद संबंध लिखे / जैसे आदरणीय पिताजी / प्रिय पुत्र तत्पश्यात् पत्र का मूल विषय लिखना चाहिएं और उतं मे अभिवादन देकर अपना नाम लिखना चाहिए। रुपरेखा देखें-

पूजनीय पिताजी,

सादर प्रणाम

....

....

आपका पुत्र

4. पाठ के आधार पर तावाङ के बारे में पाँच वाक्य लिखो।

उत्तर : 1. तावाङ अरुणाचल प्रदेश की एक दर्शनीय स्थल है।

2. तावाङ में स्थित बौद्ध मंदिर करीब 400 साल पुराना है।

3. दिसंबर-जनवरी महीने में होने वाले बड़ा उत्सव में सामिल होने के लिए उस मंदिर पर देश-विदेश के पर्यटक आकर जमा होते हैं।

4. तावाङ पहुँचने के लिए विश्व के दुसरे सबसे ऊँचे सी-ला पास पार होकर जाना पड़ता है।

5. तावाङ से कुछ ही दूरी पर भारत-चीन सीमा है।

भाषा अध्ययन

1. आओ, जाने :

वाक्य मे संज्ञा के बार बार प्रयोग से बचने के लिए जिस शब्द का व्यवहार होता , उ सबनम का है।

पढ़ो और समझो :

गीताजंलि अच्छी लड़की हैं।　　　　वह रोज स्कूल जाती है।

गोतम और राहुल क्रिकेट खेलते हैं।　　वे महाहुर क्रिकेट खिलाड़ी है।

दिल्ली भारत की राजधानी है।　　　यह एक प्राचीन शहर है।

इन वाक्यों में रेखांकित शब्द नाम के बदले आए हैं। अतः ये सर्वनाम पद ।

2. आओं, सर्वनामों के साथ आने वाले क्रिया-रुप ध्यान से देखें और लिखें :

क्रिया	**तु**	**तुम**	**आप**
खेलना	खेल	खेलो	खेलिए
आना	आ	आओ	आइए
पढ़ना	पढ़	पोरहो	पढ़िए

3. इन वाक्यों को ध्यान से पढ़ें :

(क) तुम लोगों को एक बार अरुणाचल प्रदेश घूमने के लिए ले आऊँगा।

(ख) आप वहाँ सावधानी से रहिएगा।

(ग) चिट्टी के उत्तर की प्रतीक्षा रहेगी।

ऊपर क वाक्यों में मोटे अक्षरों वाले शब्दों से पता चलता है कि काम आने वाले •समय में होने वाला है। जब काम आने वाले समय में होने का भाव होता है उसे भविष्यत काल कहते हैं।

4. खाली जगहों को भविष्य का बोध होने वाले क्रिया रूपों से पूरा करों:

(क) गोपाल बाजार जाएगाँ।

(ख) गीतांजलि और गोतम विज्ञान प्रदर्शनी देखने जाएगे।

(ग) माँ भी उनलोगों के साथ जाएँगी।

(घ) यहाँ आने से ही पता चलेगा।

5. नीचे लिखे वाक्यों की ध्यान से पढ़ो :

सीमा एक अच्छा फल दो। हाँ हाँ, दोनों कच्चे फल खराब हैं। पके आम ही दो।

इन वाक्यों में अच्छा, खराब, कच्चे, पके शब्द फल की विशेषता बता रहे हैं। राम स्वस्थ लड़का है। वह पढ़ाई में भी तेज है। उसका आचरण भी ठीक है। यहा स्वस्थ, तेज, ठीक विशेषता बताने वाले शब्द हैं। जान लें: उपर के वाक्यों में मोटे अक्षरों वाले और रेखांकित शब्द अच्छा, कच्चे, पके, स्वस्थ, तेज, ठीक किसी की विशेषता बताते हैं। ऐसे शब्दों को विशेषण कहा जाता है। सीमा एक अच्छा फल दो। हाँ हाँ, दोनों कच्चे फल खराब हैं। पके आम ही दो।

राम स्वस्थ लड़का है। वह पढ़ाई में भी तेज है। उसका आचरण भी ठीक है।

परियोजना : कल्पना के सहारे तावाङ के प्राकृतिक दृश्य का एक चित्र बनाओं।